वर्ष 1 - अंक 10
शुक्रवार 29 नवम्बर 2024- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कल शनिवार को इंदौर आएंगे

यहां एक लाख से ज्यादा लोगों को संबोधित करेंगे

इस दौरान वे "रग-रग हिंदू मेरा परिचय" विषय पर भाषण देंगे

इंदौर। लालबाग परिसर में आज से 2 दिसंबर तक आध्यात्मिक सेवा मेला आयोजित किया जा रहा है, जो नारी शक्ति को समर्पित रहेगा। हिंदुओं को जोड़ने के उद्देश्य से पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 160 किलोमीटर लंबी 'सनातन हिंदू एकता' पदयात्रा निकाल रहे हैं। यह पदयात्रा 21 नवंबर को बागेश्वर धाम से शुरू हुई थी और 29 नवंबर को ओरछा धाम में समाप्त होगी।

पदयात्रा में साधु-संतों के साथ हजारों श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। हर गांव में यात्रा के दौरान स्थानीय लोग भी इसमें जुड़ जाते हैं

लालबाग परिसर के मेले में देवी अहिल्या बाई होल्कर पर आधारित "स्त्री से अहिल्याबाई होल्कर" नृत्य नाटिका का आयोजन होगा। निमाड़ी समाज की युवतियां अपनी विशेष प्रस्तुति देंगी। आयोजनों में मातृ-पितृ वंदन, कन्या पूजन, गुरु वंदन सहित अन्य नृत्य नाटिकाएं भी शामिल हैं। पांच दिवसीय सेवा मेला आम नागरिकों के लिए सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा। वहीं, प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। पूरे परिसर को "नारी शक्ति" थीम पर सजाया जा रहा है। लालबाग परिसर के मुख्य द्वार पर भारत माता, लोकमाता देवी अहिल्याबाई, महारानी लक्ष्मीबाई और मीरा बाई के चित्रों को भी दर्शाया गया है।

हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान इंदौर के चेयरमैन विनोद अग्रवाल, अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा और सचिव विनोद बिड़ला ने बताया कि आज शाम दशहरा मैदान से आराधना यात्रा निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए लालबाग पैलेस पहुंचेगी। उद्घाटन समारोह में संत त्रिदंडी श्रीमननारायण रामानुज और गुणवंत सिंह कोठारी मौजूद रहेंगे।

इंदौर के विश्व प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर की प्रतिकृति भी यहां सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसी के साथ रणजीत हनुमान मंदिर, श्रीश्री विधाधाम मंदिर, बिजासन माता मंदिर, व्यंकटेश मंदिर और अविनाशी अखंड धाम आश्रम की सेवा गतिविधियां भी यहां देखने को मिलेंगी।

सांसद शंकर लालवानी की किताब '100 मोदी मंत्रा' का प्रधानमंत्री ने किया विमोचन, पुस्तक में प्रधानमंत्री के रुप में 10 साल में भारत को बदलने की कहानी

सांसद शंकर लालवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक किताब लिखी है जिसका नाम है 100 मोदी मंत्रा। सांसद लालवानी की इस किताब का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विमोचन किया। सांसद शंकर लालवानी ने इस किताब में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत को बदलने की कहानी लिखी है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में उनके परिवर्तनकारी दशक पर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती यह पुस्तक उनके 2014 से 2024 के कार्यकाल को परिभाषित करने वाले 100 मुख्य मंत्रों का सार प्रस्तुत करती है। गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बनने तक की मोदी की यात्रा से प्रेरणा लेते हुए, यह पुस्तक उनकी नेतृत्व शैली और नीतियों को गहराई से विश्लेषित करती है, जिन्होंने भारत के राजनीतिक परिदृश्य, अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्थिति को नए सिरे से आकार दिया है। इसमें भारतीय जनता पार्टी की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला गया है और भारत की अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और घरेलू नीतियों में हुए व्यापक परिवर्तनों की पड़ताल की गई है।

सांसद शंकर लालवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद देते हुए कहा कि मोदी जी राष्ट्रनायक एवं युगपुरुष है, उनके द्वारा लिए गए फैसलों से आने वाले सैकड़ो सालों के लिए भारत सक्षम हुआ है एवं प्रगति के रास्ते पर है।

यह पुस्तक भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण युग का इतिहास है और उन सिद्धांतों को समझने का मार्गदर्शन करती है, जिन्होंने भारत के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक को प्रेरित किया है। चाहे आप एक राजनीतिक उत्साही हों, इतिहास के विद्यार्थी हों, या भारत के तेज़ी से बदलते परिदृश्य को जानने के इच्छुक हों, यह पुस्तक आपको उस व्यक्ति पर एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करती है जिसे अक्सर भारत का "विश्व गुरु" कहा जाता है, और उनके शासन को परिभाषित करने वाले मंत्रों को समझाती है।

रणजीत टाइम्स
शुक्रवार 29 नवम्बर 2024
DIGITAL EDITION

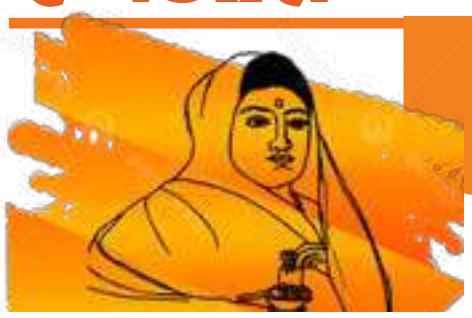

इन्दौर की धरा पर

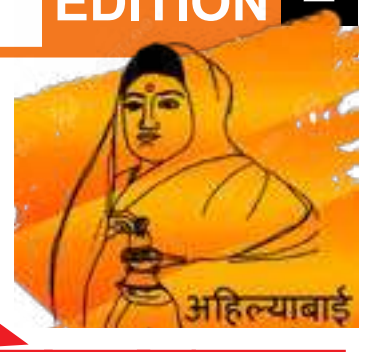

मातृशक्तियों ने रचा इतिहास

दशहरा मैदान से निकली शस्त्र आराधना यात्रा

नारी शक्तियों ने उठाए शस्त्र, किया शौर्य का प्रदर्शन

9 खंडो में पांच हजार मातृशक्तियां जुटी दशहरा मैदान पर, 3 किलोमीटर की इस शस्त्र आराधना यात्रा में 150 से अधिक मंचों से हुआ यात्रा का स्वागत-सत्कार

झाबुआ की आदिवासी मंडली ने जमाया रंग, बालिकाओं ने किया शस्त्र कला का प्रदर्शन, वंदनवार व भगवा ध्वज से पटा पूरा पश्चिमी क्षेत्र

इन्दौर । तलवार, लट्ठ, त्रिशूल, गदा, भाला व फारसा अपने हाथों में लिए जब मातृशक्तियां सडक़ों पर उतरी तो हर कोई इस नजारें को निहारता रह गया। वीरांगनाओं की वेशभूषा व पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी मातृशक्तियों ने अपने हाथों में शस्त्र थामकर जब अपनी कला का प्रदर्शन किया तो हर कोई शख्स इस नजारें को अपने मोबाइल के कैमरे में कैद करता हुआ नजर आया। मातृशक्तियों के मान, सम्मान, स्वाभिमान व नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य से निकाली गई शस्त्र आराधना यात्रा में पांच हजार से अधिक महिलाएं, युवतियां व बालिकाएं दशहरा मैदान पर जुटी। महिलाओं ने अपने हाथों में शस्त्र थाम कर भारत की वीरांगनाओं का उद्घोष करते हुए अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। 9 खंडो में बनाए गए ग्रुपों में महिलाओं ने अनुशासन का परिचय देने के साथ ही सनातन संस्कृति एवं लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर, झांकी की रानी लक्ष्मीबाई, मीरा बाई सहित भारत की वीरांगनाओं के इतिहास से भी सभी को रूबरू कराया। 3 किलोमीटर की इस शस्त्र आराधना यात्रा में 150 से अधिक मंचों से यात्रा का पुष्पवर्षा कर अगवानी की गई। शास्त्र आराधना यात्रा की इस शौर्य यात्रा में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े कई गणमान्य नागरिक शामिल हुए थे।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान इन्दौर के चेयरमेन विनोद अग्रवाल, अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, सचिव विनोद बिड़ला एवं प्रचार प्रमुख जवाहर मंगवानी ने बताया कि दशहरा मैदान से लालबाग तक निकाली गई शस्त्र आराधना यात्रा की कमान नारी शक्ति को ही सौंपी गई थी। यात्रा के मार्ग से लेकर सभी व्यवस्था मातृशक्तियों के हाथों में थी। शस्त्र आराधना यात्रा संयोजक सरस्वती पेंढ़ारकर ने बताया कि यात्रा की शुरूआत शस्त्र व ध्वज पूजन के साथ की गई। इसके पश्चात 9 खंडों में अलग-अलग ग्रुपों व क्षेत्रों से आई पांच हजार मातृशक्तियां, युवतियां व बालिकाओं को शस्त्रों का वितरण किया गया। नारी शक्ति की इस शौर्य यात्रा में 10 वर्ष की बालिका से लेकर 50 वर्ष की मातृशक्तियों ने अपनी भागीदारी दर्ज की। दशहरा मैदान पर जुटी हजारों महिलाओं ने शास्त्र पूजन करने के साथ ही शस्त्र कला प्रदर्शन के पूर्व भारत की वीरांगनाओं का उद्घोष किया एवं इसके बाद अपनी कला का प्रदर्शन किया।

9 खंड बनाएं, वीरांगनाओं का नाम दिया

मंजूषा राजस जौहरी, विनीता धर्म एवं डॉ. संध्या चौकसे ने बताया कि दशहरा मैदान पर शाम 4 बजे से मातृशक्तियों का जुटना शुरू हो गया था। मातृशक्तियों को 9 खंडों में बांटा गया था। इन 9 खंडों को लोक माता अहिल्याबाई, राज माता जीजाबाई, रानी दुर्गावती, रानी पद्मावती, रानी लक्ष्मीबाई, माता गुजरी, सावित्रीबाई फूले, महादेवी वर्मा, रानी अवंतीबाई नाम दिया गया था।

वीरांगनाओं व भगवान की वेशभूषा में पहुंची नारी शक्तियां

पूजा खण्डेलवाल मंजीत गर्ग एवं प्रियंका तिवारी ने बताया कि शस्त्र आराधना यात्रा भारत की वीरांगनाओं को समर्पित करते हुए नारी थीम पर ही आयोजित की गई थी। यात्रा में भारत माता की झांकी भी बनाई गई थी जो यात्रा के मार्ग में विशेष आकर्षण का केंद्र थी। इसी के साथ 12 अश्वों पर हाथों में शस्त्र लिए भारत की वीरांगनाओं के स्वरूप में महिलाएं व युवतियां शस्त्र प्रदर्शन कर रही थी। दशहरा मैदान से लालबाग तक की इस यात्रा में अलग-अलग ग्रुपों में नारी शक्ति अपनी कलाओं का प्रदर्शन यात्रा के मार्ग में कर रही थी। यात्रा में ड्रेस कोड़ भी था जिसमें सभी मातृशक्तियां पीली व औरेंज कलर की साड़ी में नजर आई। यात्रा में राधा-कृष्ण, राम, लक्ष्मण, सीता, कालका माता सहित अन्य भगवान की वेशभूषा में युवतियां बग्घियां में संवार थी।

झाबुआ की मंडली ने जमाया रंग

दशहरा मैदान से जैसे ही शस्त्र आराधना यात्रा निकली तो सबसे अग्र भाग में घोड़े पर संवार वीरांगना आने जाने वाले राहगीरों का ध्यान अपनी और आकर्षित कर रही थी तो वहीं दूसरी ओर यात्रा के मध्य भाग में झाबुआ की आदिवासी नृत्य की टोली ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह रहे थे। जगह-जगह आदिवासी मंडली का स्वागत भी इस दौरान किया गया साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा दी गई बैंड की प्रस्तुति ने भी सभी का ध्यान अपनी और आकर्षित किया।

बालिकाओं ने किया शस्त्र कला का प्रदर्शन

शस्त्र आराधना की इस शौर्य यात्रा में व्यायाम शाला की बालिकाएं भी जुटी थी। उन्होंने भी अपनी शस्त्र कला का प्रदर्शन कर सभी लोगों की खूब तालियां बटोरी। दशहरा मैदान से लालबाग तक के मार्ग में छोटी-छोटी बालिकाएं अपने हाथों में तलवार, लट्ठ, त्रिशूल, गदा, भाला व फारसा सहित अन्य शस्त्रों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन कर रही थी। वहीं इन्दौर कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल के 40 बच्चों ने भी बैंड़ की आकर्षक प्रस्तुति से सभी का ध्यान अपनी और खींचा।

भगवा ध्वज से पटा पश्चिमी क्षेत्र

प्रचार प्रमुख जवाहर मंगवानी ने बताया कि लालबाग पैलेस में पांच दिवसीय हिंदू आध्यात्मिक मेले की शुरूआत शस्त्र आराधना यात्रा के साथ हुई। वहीं इसी के साथ यहां मुख्य अतिथियों द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। शाम 6 बजे सेवा मेले का विधिवत उद्घाटन पं. त्रिदंड़ी श्रीमन्नारायण रामानुज चिन्न जीयर स्वामीजी महाराज के सान्निध्य में हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता चेयरमेन विनोद अग्रवाल ने की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री गुणवंतसिंह कोठारी विशेष रूप से उपस्थित हुए। पांच दिवसीय सेवा मेले में आम नागरिकों को सनातन संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिलेगा। मेला स्थल के साथ ही पूरे पश्चिमी क्षेत्र को वंदनवार सहित भगवा ध्वज से सजाया गया है। पांच दिवसीय सेवा मेला आम नागरिकों के लिए सुबह 10 से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा। वहीं प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष प्रस्तुतियां भी इस दौरान दी जाएगी।

कई अन्य सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे

प्रचार प्रमुख जवाहर मंगवानी ने बताया कि पांच दिवसीय सेवा मेले के दुसरे दिन शुक्रवार 29 नवंबर को सुबह 10 बजे आचार्य वंदन, दोपहर 3 बजे महिलाओं द्वारा आराध्य के स्तोत्र का पाठ होगा। शनिवार 30 नवंबर को सुबह 10 बजे शिक्षाविद सम्मेलन एवं दोपहर के सत्र में हिंदू युवा सम्मेलन का आयोजन होगा। रविवार 1 दिसंबर को प्रातः 10 बजे मातृ-पितृ वंदन का कार्यक्रम होगा एवं दोपहर 2 बजे से मातृत्व सम्मान कार्यक्रम होगा। सोमवार 2 दिसंबर को प्रातः 10 बजे इस पांच दिवसीय सेवा मेले का समापन सम्मान समारोह के साथ होगा। सम्मान समारोह के मुख्य वक्ता श्री विजय पौराणिक (संयुक्त महामंत्री राष्ट्रीय सेवा भारती नई दिल्ली) होंगे।

बाल विवाह रोकने के होंगे प्रयास

आदिवासी अंचल में लोगों में जागरूकता लाना होंगी

-कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के माध्यम से धार जिले में पहल होंगी

- अंचल में शुरू हुई गतिविधि, समुदाय के बीच में जाकर किया जाएगा कार्य

धारः महिला बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जन जागरण के कार्य किए जा रहे हैं। इस अभियान का मकसद हमारे बच्चों के लिए एक सुरक्षित और उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण और निर्णायक कार्य करना है। बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सबसे बड़े गठबंधन 'जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रन' के सहयोगी होने के नाते हम विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए बाल विवाह की पूरी तरह से समाप्ति की दिशा में काम करेंगे। इसमें आम लोगों की सहभागिता बहुत जरूरी है। खासकर आदिवासी और ग्रामीण अंचल में लोगों के प्रति जागरूकता फैलाना जरूरी है। यह बात कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के इस अभियान के समन्वयक और वसुधा विकास संस्थान के प्रतिनिधि अजय कुमार सिंदल ने गुरुवार को धार में आयोजित पत्रकारों से चर्चा में कही। आगे बताया कि भारत सरकार के 'बाल विवाह मुक्त भारत' के आह्वान के समर्थन में गैर सरकारी संगठन वसुधा विकास संस्थान ने धार जिले में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसमें समाज के हर तबके के लोग शामिल हुए। इस दौरान मशाल जुलूस और कैंडल मार्च में बाल विवाह पीड़िताओं, महिलाओं, बच्चों और पुरुषों सहित अन्य लोगों ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली और जागरूकता के प्रसार के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी की। इस दौरान पुरोहितों, मौलवियों, हलवाइयों, रसोइयों, सजावट करने वालों, बैंड बाजा वालों और शादी का कार्ड छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस के मालिकों जैसे विवाह से जुड़े सभी हितधारकों ने शपथ ली कि वे बाल विवाह संपन्न कराने में किसी भी तरह से भागीदारी नहीं करेंगे।

क्या है जेआरसी

'जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन' (जेआरसी) का एक मंच तैयार किया गया है, जिसमें देशभर में 250 से भी अधिक अग्रणी गैर सरकारी संगठन शामिल हैं। धार जिले में वसुधा विकास संस्थान बाल विवाह की रोकथाम के जन जागरण के कार्य में जुटा हुआ है। वसुधा विकास संस्थान ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग और समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझाकर बाल विवाह रोकने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन के तहत बाल विवाह से लेकर बच्चों के अधिकारी पर कार्य किया जाएगा।

पुरस्कार पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिले

विश्व दिव्यांग दिवस पर शिविर आयोजित हुआ

धार। विश्व दिव्यांग दिवस पर जनपद शिक्षा केंद्र धार द्वारा विकासखंड स्तरीय दिव्यांग शिविर का आयोजन सीएम राइज स्कूल धार के प्रांगण में गुरूवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। शिविर में दिव्यांग बच्चों को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा पुरस्कार वितरण किए गए। दिव्यांग बच्चों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पुरस्कार जीते। चित्रकला प्रतियोगिता में एकलव्य विद्यालय के वंश चौहान और जालम वास्केल प्रथम स्थान पर रहे। गोला फेंक प्रतियोगिता में मॉडल स्कूल की सोनाली यादव प्रथम रही। दौड़ में जूनियर वर्क में रोहित भेरूलाल, राधिका परमार प्रथम रहे। इसी प्रकार सीनियर वर्ग में श्याम प्रकाश प्रथम रहे। नींबू रेस में उर्दू हाई स्कूल धार के इस्माइल जफर जूनियर वर्ग में प्रथम रहे। रंगोली सीनियर वर्ग में मा वि उटावद की छात्रा चायना नायक प्रथम रही। हाई स्कूल धरावरा की छात्रा माधवी सीनियर वर्ग में बालिका में रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम रही।

प्रतियोगिता में विजयी हुए विद्यार्थियों को सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य डॉ स्मृति रत्न मिश्र एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक भरतराजसिंह राठौर ने पुरस्कार वितरित किए गये, जिन्हें प्राप्त कर दिव्यांग बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का संचालन बीएससी देवेंद्र दीक्षित ने किया तथा आभार प्रदर्शन शिक्षक राजेंद्र मुद्गल ने किया।

हम होंगे कामयाब

अभियान के तहत हिंसा रोकने हेतु बच्चों को जानकारी दी

धार। हम होंगे कामयाब अभियान के तहत् जेंड़र आधारित हिंसा को रोकने हेतु प्रदेश के समस्त जिले में यह 16 दिवसीय अभियान का आयोजन किया जा रहा है। उसी संदर्भ में गुरूवार को विभाग से पर्यवेक्षक ओमिका डावर एवं काउंसलर चेतनाराठौर द्वारा भोज कन्या विद्यालय धार में बाल विवाह निषेध अधिनियम, कानून का उल्लघंन एवं परिणाम के साथ सोशल मीडिया के होने वाले फायदे एवं नुकसान के बारे में बालिकाओं को बताया गया कि किसी भी तरह के हिंसा को करना , जितना गलत है, सहन करना भी उतना ही गलत है केसंबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों पर आधारित फिल्म को दिखाकर कार्यशाला को प्रभावी बनाते हुए हम होंगे कामयाब के सुंदर गीत को गाकर प्रस्तुतीकरण किया गया।

धर्म और संपत्ति

समझ और छल की कहानी

हम अक्सर सुनते हैं कि धर्म मनुष्य को जीवन जीने का सही मार्ग दिखाता है। इसी समझ और जिज्ञासा के साथ, एक दिन कुछ लोग हमारे पास आए। वे बहुत ही ज्ञानवान और सरल दिख रहे थे। उन्होंने हमें धर्म और अध्यात्म की बातें बताईं। उन्होंने कहा, "संपत्ति और पैसा तो जीवन का एक हिस्सा है, लेकिन सच्चा सुख तो धर्म को समझने और अपनाने में है।" उनकी बातों में ऐसा प्रभाव था कि हमने तुरंत उन्हें मान लिया।

उनके सुझाव पर, उन्होंने हमें कुछ किताबें दीं और कहा कि इन पुस्तकों में जीवन के सारे प्रश्नों के उत्तर हैं। हम उनकी बातों में ऐसे रम गए कि अपना सारा समय उन किताबों को पढ़ने और धर्म को समझने में लगाने लगे। वे लोग धीरे-धीरे हमारे जीवन में और गहराई से जुड़ते गए।

कुछ समय बीता। हम किताबों में उलझे हुए थे, धर्म और अध्यात्म के ज्ञान की तलाश में। एक दिन, जब हमने अपनी परिस्थितियों पर ध्यान दिया, तो देखा कि हमारे पास जो संपत्ति, जमीन, पैसा और संसाधन थे, वह धीरे-धीरे कम हो गए थे। हम हैरान थे, क्योंकि हम इन चीजों पर ध्यान ही नहीं दे रहे थे।

वहीं, जिन लोगों ने हमें धर्म की बातें सिखाईं, उनके पास अब संपत्ति थी। वे पहले की तुलना में अधिक समृद्ध और संपन्न दिख रहे थे। उनकी मुस्कान में अब वो साधुता नहीं थी, बल्कि कहीं न कहीं एक विजय का अहंकार झलक रहा था।

हमने सोचा, "हम धर्म समझने निकले थे, पर हमारी हाथों में केवल किताबें रह गईं।" धर्म सिखाने वाले लोग अब हमारे संसाधनों के मालिक बन चुके थे। यह समझ आया कि धर्म का सही अर्थ आत्मिक और मानसिक शांति है, लेकिन इसका इस्तेमाल करके कोई आपकी कमजोरी बने, यह धर्म नहीं, बल्कि छल है।

यह कहानी हमें सिखाती है कि धर्म का अनुसरण करें, लेकिन अपनी वास्तविकता और संपत्ति की सुरक्षा को नजरअंदाज न करें। धर्म वही है, जो आपको शक्ति दे, न कि आपके जीवन के आधार को आपसे छीन ले।

"धर्म को समझो, पर खुद को न भूलो।"

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ
और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर, आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278
आपका रणजीत टाइम्स
जनताकीआवाज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पत्नी जसोदाबेन ने इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर भगवान खजराना गणेशजी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान जसोदा बहन के साथ उनका भाई और परिवार के अन्य सदस्य भी साथ रहे। जसोदा बहन करीब 15 मिनट तक तक मंदिर के गर्भ गृह में रही जहां मंदिर के पुजारी जयदेव भट्ट ने पूजा अर्चना करवाई।

सीजीएसटी सुपरिटेंडेंट घूस लेते हुए अरेस्ट

आदित्य शर्मा

इंदौर

सीबीआई ने 15 हजार रु. लेते हुए पकड़ा; गिरफ्तारी के बाद घर और ऑफिस में छापे सीबीआई ने गुरुवार को इंदौर में सीजीएसटी सुपरिटेंडेंट केपी रंजन को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। उन पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट अनब्लॉक करने के बदले शिकायतकर्ता से घूस मांगने का आरोप है।शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सीजीएसटी) सुपरिटेंडेंट को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने उनके निवास और कार्यालय पर छापेमारी की। यहां छानबीन में कई दस्तावेजों को जांचा गया। कार्रवाई में सीबीआई के आठ अधिकारी इंदौर पहुंचे थे।